

8-11-21

आमिशासन संघोदर सं. 1 उपस्थित
अजीलां व आमिशासन अजीलां की
बार-बार आवाजें मागवारी गीतिका
वे अग्रपक्षिका आः अजीला अजीलां व
आमिशासन अजीलां की अग्रपक्षिका
में अकल हलक व अकल फेरक में खारि
की जाती है पत्रवली केरुल शुभा को
बाद गारुड व गारुड दारिद वरुद ही



2